Lesson 48. Introduction to Sandhi.

Ever tried to say प्रति and एक together as FAST as your tongue will allow? No? Well, try it. What did you get? प्रत्येक !!! My dears, what you have just done is a सन्धि ।

Classical Sanskrit came up with Sandhi and Samaas as a natural development of the spoken language.

Sandhi brings words together in the manner described above. Here is how Samaas emerged.......What with every word having to be vibhaktiofied before being used, people felt that if root words were put together (without first adding the vibhakti) the whole worrisome effort of having to remember the vibhaktis could (almost but not quite) be dispensed with. For example, instead of saying रामस्य भ्राता for Ram's brother, why not just say रामभ्राता ?

Also, they were sure that people were smart enough to figure out the resultant new word. For example i could describe someone's doe eyed beauty by simply saying मृगलोचनी instead of a long and winding मृगस्य लोचने इव लोचने यस्याः सा ।

Do you see how simple it can really be? The difficulty is in breaking the Samaas and Sandhi to make words of sense. <u>THAT</u>, my dears, requires practice and we shall begin right now.

Sandhi and Samaas are HUGE topics to be covered all in one go. So it's easier on the brain, our one and only intellectual faculty, if we do a little bit at a time.

Let's handle just a little Sandhi today.

Sandhi is combining words arithmetically. You take the last letter of the first word and ADD it to the first letter of the next word to form a single word.

Naturally, the letters may be either vowels स्वर s or consonants व्यञ्जन s.

If you combine two swara-s, you have a स्वरसन्धिः ।

If you combine two vyanjana-s, you have a व्यञ्जनसन्धिः ।

And if a visarga is involved in the matchmaking, you have a विसर्गसिन्धः ।

Each sandhi is further divided into "sub" sandhis.

i wish to handle only the स्वरसन्धिः in the next few lessons. व्यञ्जनसन्धिः can be covered later.

स्वरसन्धिः

Have a look at the swaras:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ऋ ऌ ॡ ए ऐ ओ औ ।

Some of these are pronounced with very little effort. They take about a second to be spoken aloud. These are called हस्वस्वराः and are...अ, इ, उ, ऋ, ऌ 1

Those that need two seconds to be pronounced are called दीर्घस्वराः and are... आ, ई, ऊ, ऋ, ऌ , ए , ऐ , ओ and औ ।

Sometimes, it is required to pronounce swaras three times longer than the ह्रस्वस्वराः and they are then called स्नुतस्वराः।

These are how they are represented: अ३, इ३, उ३, ऋ ३, ऌ३, ए३, ऐ३, ओ३ and औ३।

You will now see how आ is actually a longer pronunciation of अ. In that sense they become सवर्णletters of the same kind/type. इ and ई, उ and ऊ, ऋ and ऋ , ऌ and ऌ, each pair is a सवर्ण ।

Having understood this, we are in a position to study one form of स्वरसन्धिः called the सवर्णदीर्घसन्धिः ।

1. सवर्णदीर्घसन्धिः

These are the rules to follow:

| First word ending in | | Next word beginning with | | Results in | |
|----------------------|-------------|--------------------------|-------------|------------|-----|
| 1. | अ/आ | + | अ/आ | = | आ |
| 2. | इ/ई | + | इ/ई | = | र्भ |
| 3. | उ/ऊ | + | उ/ऊ | II | ऊ |
| 4. | ऋ/ ऋ | + | ऋ/ ऋ | = | য |

Now let's work with examples;

1. धर्म + अर्थः = धर्मार्थः ।

Do you remember that धर्म is actually a ध् + अ + र् + म् + अ ? Go back to Lesson 2 for a quick revision. The अ in धर्म adds to the अ in अर्थः to give the आ and arrives at the final word धर्मार्थः ।

3. Similarly you will have गुरु + उपदेशः = गुरोपदेशः ।

4. पितु + ऋणम् = पितृणम्

Shall we move onto our exercises?

Lesson 48 A. Exercises with सवर्णदीर्घसन्धिः

Do the Sandhi of the following:

- 1. राङ्कर+ आश्रम =
- 2. कृष्ण + आनन्दः =
- 3. सदा + आनन्दः =
- 4. हिम + आलयः =
- गिरि + ईशः =
- 6. श्री + ईशः =
- 7. पार्वती + ईक्षते =
- 8. गोदवरी + इति =
- 9. भानु +उदयः =
- 10. मधु + उल्लेखः =
- 11. पितृ + ऋणः =
- 12. मात् + ऋकारः =

Do the सन्धिविच्छेदः of the following. One has been done for you:

- 1. सुधीन्द्रः
- 2. सिंहासने
- 3. राजानुचरः
- 4. हिमालयः
- 5. कपीशः

Lesson 48 B. Answers to Lesson 48 A.

सन्धि:

- 1. राङ्कर + आश्रमः = राङ्कराश्रमः
- 2. कृष्ण + आनन्दः = कृष्णानन्दः
- 3. सदा + आनन्दः = सदानन्दः
- 4. हिम + आलयः = हिमालयः
- 5. गिरि + ईशः =गिरीशः
- 6. श्री + ईशः =श्रीशः
- 7. पार्वती + ईक्षते = पार्वतीक्षते
- 8. गोदवरी + इति = गोदवरीति
- 9. भानु +उद्यः = भानूद्यः
- 10. मधु + उल्लेखः = मधूल्लेखः
- 11. पितृ + ऋणः = पितृणः
- 12. मात् + ऋकारः = मात्कारः

सन्धिविच्छेदः

- 1. सुधीन्द्रः= सुधी + इन्द्रः
- 2. सिंहासने = सिंह + आसने
- 3. राजानुचरः= राजा + अनुचारः
- 4. हिमालयः=हिम + आलयः
- 5. कपीशः= कपि + ईशः

Lesson 49. गुणसन्धिः

In this sub-section of स्वरसन्धिः, we find an addition of swaras that are not सवर्ण ।

These are the rules to follow:

| | First word ending in Next word beginning with | | | Results in | |
|----|---|---|-------------|------------|-----|
| 1. | अ/आ | + | प्र प्र | = | ए |
| 2. | अ/आ | + | उ/ ऊ | = | ओ |
| 3. | अ/आ | + | 末/ 末 | II | अर् |
| 4. | अ/आ | + | જ | = | अल् |

Here are examples for each of them:

- 1. देव + इन्द्रः = देवेन्द्रः
- 2. सूर्य + उदयः = सूर्योदयः
- 3. सप्त + ऋषिः = सप्तर्षिः
- 4. तव+ लृकारः = तवल्कारः

Shall we try our hand at गुणसन्धिः in Lesson 49 A?

Lesson 49 A. Exercises with गुणसन्धिः

Do the Sandhi for the following:

- 1. महा + ईशः =
- 2. रमा + ईशः =
- 3. न + इति =
- 4. महा + ईश्वरः =
- 5. यमुना + उदकम् =
- 6. गच्छ +उपरि =
- 7. हित + उपदेशः =
- 8. चन्द्र + उदयः =
- 9. महा + ऋषिः =
- 10. राजा + ऋषिः =
- 11. कृष्ण + ऋद्धिः =
- 12. वर्षा + ऋतुः =
- 13. माला + लुकारः =

Do the सन्धिविच्छेदः of the following.

- 1. उपेन्द्रः
- 2. तवोर्मिः
- 3. ब्रह्मार्षि
- 4. महोदयः
- 5. गङ्गोदकम्
- 6. चन्द्रोदयः
- 7. यमुनोर्मि
- 8. नरेशः
- 9. धर्मेन्द्रः
- 10.पुरुषोत्तमः

Lesson 49 B. Answers to Lesson 49 A.

सन्धिः

- 1. महा + ईशः = महेशः
- 2 रमा + ईशः = रमेशः
- न + इति = नेति
- 4. महा + ईश्वरः = महेश्वरः
- 5. यमुना + उदकम् = यमुनोदकम्
- 6. गच्छ + उपरि = गच्छोपरि
- 7. हित +उपदेशः = हितोपदेशः
- 8. चन्द्र + उदयः = चन्द्रोदयः
- 9 महा + ऋषिः = महर्षिः
- 10. राजा + ऋषिः = राजिंधः
- 11. कृष्ण + ऋद्धिः = कृष्णद्धिः
- 12. वर्षा + ऋतुः = वर्षतुः
- 13. माला + लुकारः = मालल्कारः

संन्धिविच्छेदः

- 1. उपेन्द्रः = उप + इन्द्रः
- 2. तवोर्मिः = तव + उर्मिः
- 3. ब्रह्मार्षि = ब्रह्मा + ऋषि
- 4. महोदयः = महा + उदयः
- 5. गङ्गोदकम् = गङ्गा + उदकम्
- 6. चन्द्रोदयः = चन्द्र + उदयः
- 7. यमुनोर्मि =यमुना + उर्मि
- 8. + 721 = 74 + 521 = 74
- 9. धर्मेन्द्रः = धर्म + इन्द्रः
- 10.पुरुषोत्तमः = पुरुष + उत्तमः

Lesson 50. वृद्धिसन्धिः

Here we go a step further. We add अ/आ to the गुण to give us a वृद्धि । These are the rules to follow:

First word ending in

Next word

| beginning with | | Results in | | | |
|----------------|-----|------------|-----|---|---|
| 1. | अ/आ | + | ए/ऐ | = | ऐ |
| 2. | अ/आ | + | ओ/औ | = | औ |

Here are examples for each of them:

- 1. एक + एकम् = एकैकम्
- 2. तस्य + ओदनः = तस्यौदनः

The exercises with the वृद्धिसन्धिः are in Lesson 50 A.

Lesson 50 A. Exercises with the वृद्धिसन्धिः

सन्धिः

- 1. अत्र + एषः =
- 2. पश्य + एतत् =
- 3. गच्छ + एकत्र =
- 4. मनुष्य + ऐक्यम् =
- 5. सदा + एव =
- 6. सदा + ओजस्विता =
- 7. तथा + एव =
- 8. देव + औदार्यम् =
- 9. कार्य + औचित्यम् =
- 10. दुग्ध + ओद्नम् =
- 11. मा + एवम् =
- 12. कृष्ण + औत्कण्ठ्यम् =
- 13. अद्य + एव =

सन्धिविच्छेदः

- 1. तवैश्वर्यम्
- 2. गङ्गोधः
- 3. ममौषधम्
- 4. महैश्वर्यम्
- 5. महौत्सुक्यम्
- 6. तत्रैकदा
- 7. यदैव
- 8. नैव
- 9. दृष्ट्वैतत्
- 10. राष्ट्रैक्यम्

Lesson 50 B. Answers to Lesson 50 A.

सन्धिः

- 1. अत्र + एषः = अत्रेषः
- 2. पश्य + एतत् = पश्यैतत्
- 3. गच्छ + एकत्र = गच्छैकत्र
- 4. मनुष्य + ऐक्यम् = मनुष्यैक्यम्
- 5. सदा + एव = सदैव
- 6. सदा + ओजस्विता = सदौजस्विता
- 7. तथा + एव = तथैव
- 8. देव + औदार्यम् = देवौदार्यम्
- 9. कार्य + औचित्यम् = कार्यौचित्यम्
- 10. दुग्ध + ओदनम् = दुग्धौदनम्
- 11. मा + एवम् = मैवम्
- 12. कृष्ण + औत्कण्ठ्यम् = कृष्णौत्कण्ठ्यम्
- 13. अद्य + एव = अद्यैव

सन्धिविच्छेदः

- 1. तवैश्वर्यम् = तव + ऐश्वर्यम्
- 2. गङ्गोधः = गङ्गा + ओधः
- 3. ममौषधम् = मम + औषधम्
- 4. महैश्वर्यम् = महा + ऐश्वर्यम्
- 5. महौत्सुक्यम् = महा + औत्सुक्यम्
- 6. तत्रैकदा = तत्र + एकदा
- 7. यदैव = यदा + एव
- 8. $\vec{h}a = r + va$
- 9. दृष्ट्वैतत् = दृष्ट्वा + एतत्
- 10.राष्ट्रैक्यम् = राष्ट्र + ऐक्यम्

Summing Up Month 11.

This is probably the shortest summing up yet: By the end of Month 11, you will know

1. Most of the Swara Sandhi.

Told you.